यूपी को एक और एक्सप्रेसवे की सौगात, इतने हेक्टेयर जमीन का होगा अधिग्रहण, 2027 तक दौड़ेंगे वाहन

आगरा फतेहाबाद रेलवे लाइन के ऊपर इस कॉरिडोर में आरओबी बनेगा

आगरा। उत्तर प्रदेश के आगरा को एक और एक्सप्रेसवे मिलने जा रहा है। यहं आगरा से ग्वालियर तक बनाया जाएगा। अभी आगरा से ग्वालियर की दूरी 121 किमी है। लेकिन, ढाई साल बाद यह महज 88 किमी रह जाएगी। इसे केवल एक घंटे में पूरा किया जा सकेगा। दरअसल, आगरा और ग्वालियर के बीच नया छह लेन हाईस्पीड कॉरिडोर यानी एक्सप्रेसवे को मंजूरी दी गई है। इस पर 100 किमी की रफ्तार से वाहन चला सकेंगे। वर्ष 2027 में इस पर वाहन दौड़ सकेंगे।

नेशनल हाइवे अथॉरिटी ने आगरा-ग्वालियर एक्सप्रेसवे यानी हाईस्पीड कॉरिडोर की योजना की पर्यावरण स्वीकृति के लिए पर्यावरण मंत्रालय में आवेदन किया है। इसकी प्री-फिजीबिलिटी रिपोर्ट के मुताबिक आगरा ग्वालियर के बीच छह लेन कॉरिडोर के लिए 502.11 हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण किया जाएगा। इसमें से 3.18 हेक्टेयर जमीन वनक्षेत्र की होगी।

आगरा में सदर और खेरागढ़ तहसील के 15 गांवों में 153 हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण किया जाएगा। मध्य प्रदेश में 18 गांवों की 151 हेक्टेयर जमीन ली जाएगी। नए छह लेन कॉरिडोर पर 4613 करोड़ रुपये की लागत आएगी। आगरा के गांव देवरी से यह कॉरिडोर शुरू होगा और ग्वालियर में सुसेरा गांव में समाप्त होगा।

देवरी, सलेमाबाद, ककरारी, करौंधना, फूलपुर, नगला पाटम, लौहेटा, गौहरी, बाबरपुर, शेरपुर, सादुपुरा, पुसैंता, महदेवा, दारकी की जमीन का अधिग्रहण किया जाएगा। पूरे हाईस्पीड कॉरिडोर में 90 फीसदी जमीन समतल और 10 फीसदी बीहड़ की जमीन इस्तेमाल की जाएगी। आगरा और ग्वालियर के बीच नए एक्सप्रेसवे से 33 किमी की दूरी घट जाएगी।

60 मीटर चौड़े यानी लगभग 200 फीट चौड़े आगरा ग्वालियर हाईस्पीड कॉरिडोर में वाहन चालकों को केवल एक टोल प्लाजा मिलेगा। इस पर फर्स्ट एड, रेस्ट शेल्टर, टॉयलेट, पेयजल, रेस्टोरेंट, कैफे, एंबुलेंस, क्रेन, हाइवे पेट्रोलिंग, बस और ट्रक ले होंगे। इस पर पेट्रोल पंप, ईवी चार्जिंग स्टेशन के साथ सीएनजी की सुविधा भी उपलब्ध होगी।

वे होंगे निर्माण
47 पुलिया
4 छोटे पुल
5 बड़े पुल
1 रेल ओवरब्रिज
6 फ्लाईओवर
1 टोल प्लाजा

इन नहरों, नदियों से निकलेगा
सिक्सलेन हाईस्पीड कॉरिडोर इरादत नगर रजवाह, खारी नदी, चंबल नदी, कुवारी नदी, असान नदी, सांख नदी, भिंड मुख्य नहर, चंबल मुख्य नहर को पार करेगा, वहीं मुरैना में 2 किमी के ईको सेंसिटिव जोन से निकलेगा। नेशनल चंबल सेंक्चुअरी के ढाई किमी हिस्से के पास से होकर यह गुजरेगा।

इन सड़कों, रेल लाइन को करेगा पार
यह एक्सप्रेसवे धौलपुर-राजाखेड़ा और मुरैना-अंबाह स्टेट हाइवे को पार करेगा, वहीं सैंया-शमशाबाद रोड और ताल सेमरी-देवरी रोड के ऊपर से जाएगा। आगरा फतेहाबाद रेलवे लाइन के ऊपर इस कॉरिडोर में आरओबी बनेगा।

आंकड़े एक नजर में-
4613 करोड़ की आएगी लागत
88.430 किमी लंबा होगा एक्सप्रेसवे
502.11 हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण
3.18 हेक्टेयर जमीन वनक्षेत्र की
75 राजस्व गांव से होकर निकलेगा